

सिटी आस-पास संदेश

खबर संक्षेप

दो अलग अलग गांवों में मार पीट मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दो अलग अलग गांवों में मामूली बात को लेकर मार पीट और जन से मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम गोवर्धनपुर निवासी स्थान लाल पुर जोखू लाल का आरोप है कि उनके विपरी पुनर्नामुकदमा की वापरी के लिए दबाव बनाया वापस न लेने पर जन से मारे की धमकी दी गई। पुलिस ने प्रहलादी, राकेश, शिवपूजन, राजेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इधर ग्राम बकराबाद निवासी प्रधानमंत्री पुत्र शिवबरन का आरोप है कि मामूली कहा सुनी पर उसके परिजनों को मारा पीटा गया और जन से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने जमुना प्रसाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

झूंसी में मूर्ति विसर्जन के समय तीन लोगों की हुई मौत 5 लोगों को बचाया गया

सराय इनायत थाना क्षेत्र के अंदावां तालाब में मूर्ति विसर्जन के दौरान घटी घटना

अखंड भारत संदेश



हादसे के बाद घटनास्थल पर लगी लोगों की भीड़ व पुलिस

हुए तीन लोगों की तलाश गोताखोर द्वारा की जाने लगी बारी बारी से तीनों लोगों की बांडी मिली आनन्द-फानन में स्वरूप रानी अस्पतल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने तीनों लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में अनिल कुमार 18 साल पुरुष शिव बहादुर गोतम अनिल पांच बाई बहनों में सबसे बड़ा था और वह जन्म से ही गूंगा बहरा था अनिल कक्षा आठवीं का छात्र था और अपने मां वाप की इकलौती संतान था। अंकित 16 साल पुरुष शिव बाबू अंकित शिवाजी इंटर कॉलेज में सहसों में कक्षा यारहवीं का छात्र था उपरोक्त मृतक शेख अहमदपुर सहसों थाना थरवडे के स्थाइ निवासी थे। इस हृदय विदारक घटना में मां वाप व रिश्तेदारों का दो-रो कर हाल बुरा था जिसने भी सुना और देखा सभी की अस्थि नम हो गई।

मालगाड़ी के धक्के से असवां गांव निवासी मूलचंद की दर्दनाक मौत

जच्छई। असवां गांव निवासी एक व्यक्ति की रेल लाइन पार करते समय मालगाड़ी से धक्का लगने से घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। स्वजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सोमवार दोपहर में असवां गांव निवासी 55 वर्षीय मूलचंद मिश्र गेहूं के खेत से वापस घर लौट रहे थे वे जैसे ही रेल लाइन पार कर रहे थे कि मालगाड़ी की चेप में आ गए। बायां जाता है कि प्रचण्ड गर्मी से बचने के लिए वे सिर पर कसा कर रुमाल बध कर खेत में दोपहर तक काम करते रहे। सुचना पाकर मृतक के घर कोहराम मच गया। स्वजनों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया।

रितिका यादव का चयन उत्तर प्रदेश यूथ वॉलीबाल टीम में

23वीं राष्ट्रीय यूथ वॉलीबाल चैम्पियनशिप 11 से 16 अप्रैल तक उत्तराखण्ड में मेजा रोड। उत्तर प्रदेश की यूथ वॉलीबाल टीम में प्रयागराज जिले की एक बालिका का चयन किया गया है। उक्त अशय की जानकारी देवे हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज के महासचिव अरपी शुक्ला ने बाजार के 11 से 16 अप्रैल 2022 तक रुद्रपुर, उत्तराखण्ड राज्य के उदम सिंह नगर में अधिकारियों द्वारा 23वीं यूथ नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश राज्य की बालक एवं बालिकाओं की टीमें प्रतिभानी करेंगी। जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य की बालिका वॉलीबाल टीम में प्रयागराज जनपद की रितिका यादव को घोषित किया गया है। इससे पूर्व रीतिका यादव एक बार सबृहनिरपत्र व जूनियर वर्ग में उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। विदेशी हो कि उत्तर प्रदेश राज्य के यूथ वॉलीबाल टीम का कैप पीलीपीत जनपद के गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में लगाया गया था। जिसमें उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपद के बालक और बालिका खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। प्रशिक्षण के उपरांत अंतिम रुप से चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय यूथ चैम्पियनशिप में प्रतिक्रिया कर रहे हैं। प्रयागराज जनपद से उत्तरोत्तर खिलाड़ी के चयनित होने पर जिला वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष प्रभात कुमार राय, योगेश्वरन जाड़न, एक नाथ, सगंठन सचिव प्रभोद राय, विजया सिंह, निहरिका यादव, इस्तमान चौके, के.बी.एल. श्रीवास्तव, पंकज शुक्ला, यूलचंद युसु, अलताक अली, श्रीडाधिकारी म्योडील संदीप युसु, समाश्रय योगी, वैजनाथ चिपाठी, स्टर्डिंग मांकों को आशीर्य यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए उपरोक्त चयनित खिलाड़ी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हार्दिक धन्यवाद दिया।



मेडल जीतने पर ग्रेपलिंग टीम को बधाई देते शुआद्स कुलपति

नेती। सेम हिंगनबाटम कृषि, प्रैद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआद्स), प्रयागराज के छात्रों ने अखिल भारतीय इंटर यूनिवर्सिटी ग्रैपलिंग (पुरुष और महिला) चैम्पियनशिप 2022 में भाग लिया जाने की महिला द्वारा द्यावान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में 31 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित हुई थी। विभिन्न भार वर्गों में शुआद्स छात्रों ने पदक हासिल किए। पुरुष वर्ग में विपिन कुमार मिश्र (कास्टर पदक), अंपित द्विवेदी (कास्टर पदक), अश्विन जान (कास्टर पदक), और अर्थ अहमद खान (कास्टर पदक) और महिला वर्ग में श्रेया यादव (कास्टर पदक) ने विश्वविद्यालय का नाम रोमांच किया। शुआद्स कुलपति प्रो. (डॉ.) रजेन्द्र बी. लाल, प्रति कुलपति (प्रशासन)-प्रो. (डॉ.) एस.बी. लाल, प्रति

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, विविध राय ने सभी विजेताओं को बधाई दी और उन्हें उनके उज्ज्वल कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. सुनीता बी. जन और कोच श्री विनोद बी लाल, अध्यक्ष, एथेलिटिक्स समिति और संयुक्त कुलसचिव डॉ. सी.जे. वेस्ले और

कुलपति (पीएमडी) प्रो. (डॉ.) विभागाधीश शारीरिक शिक्षा विभाग



संपादकीय

महावीरः आत्म-क्रांति के वीर महापुरुष

महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। इसलिए महावीर बनना जीवन की सार्थकता का प्रतीक है। महावीर बनने का अर्थ है स्वस्थ जीवन जीना, रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास करना। प्रत्येक वर्ष हम भगवान महावीर की जन्म-जयन्ती मनाते हैं, लेकिन इस वर्ष उस महान आत्म-क्रांति के बीच महापुरुष की जयंती को कोरा आयोजनात्मक नहीं बल्कि प्रयोजनात्मक स्वरूप देना है। इसके लिये हर व्यक्ति अपने भीतर झाँकने की साधना करें, महावीर को केवल पूजे ही नहीं हैं, बल्कि जीवन में धारण कर लें। जस्ती है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करें, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसकी जीवनशैली संयम एवं अनुशासनबद्ध हो, जिसमें कठों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतीकूल परिस्थितियों में भी समता, संयम एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जिसके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकमना रखता हो। सादियों पहले महावीर जनमे, लेकिन उनका जीवन एवं उपदेश आज के संकटपूर्ण एवं अनेक व्याधियों-बीमारियों के दौर में अधिक कारगर एवं प्रासारिंग है। महावीर स्वास्थ्य-उत्क्रान्ति की एक लहर है, स्वस्थ जीवन-ज्योति की एक निर्धारित शिखा है। साहस एवं संयम का अनाम दरिया है। उनके संवादों में शाश्वत की आहट थी। उनकी जीवनशैली इतनी प्रभावी थी कि उसे एक बार जीने वाला बंध जाता। उनकी दृष्टि में ऐसी कशश थी कि उन्हें एक बार देखने वाला भूल ही नहीं पाता। उनके स्वस्थ जीवन के आङ्गन में ऐसा आमंत्रण था कि उसे अनसुना नहीं किया जा सकता। उनका मार्गदर्शन इतना सही था कि उसे पान वाला कभी भटक ही नहीं पाता। उनकी सन्निधि इतनी प्रेरक थी कि व्यक्ति रूपान्तरित हो जाता। उन्होंने कहा अप्पणा सच्चमेसज्जा-स्वर्यं सत्यं खोजें। वे किसी को पराई बैसाखियों के सहारे नहीं चलाते थे। अपने पैरों से चलने की क्षमता हो तो व्यक्ति जब चाहे चल सकता है और जहां चाहे, पहुंच जाता है। उन्होंने रसदे रोशन ही नहीं किए, बल्कि भीतर की रोशनी पैदा कर दी। ये ही सब कारण हैं कि जो हमें महावीर का स्मरण दिलाते हैं। महावीर का विश्वास स्वस्थ जीवन में था। वे अपने आप में रहते थे। दूसरों को भी अपने आप में रहना सिखाते थे। वे स्वस्थ थे। उन्हें कोई बीमारी छू नहीं कर पाई। उन्होंने स्वास्थ्य के अनेक सूत्र दिए। उनमें एक सूत्र था-कायोत्सर्ग। कायोत्सर्ग का अर्थ है शरीर की शुद्धि, शरीर की सारसंभाल, शरीर के प्रति पवित्रता एवं संयम। कायोत्सर्ग साधना का आदि बिन्दु भी है और अन्तिम बिन्दु भी है। यह स्वास्थ्य का प्रथम बोधपात्र है और अन्तिम निष्पत्ति है। यह शरीर को धेरने वाली आपात शिथितियों का रक्षा-कवच है। तनाव-विसर्जन का प्रयोग है और सब दुःखों से मुक्त करने वाला है। महावीर का साधनाकाल साठे, बारह वर्ष का रहा। उसमें उन्होंने बार-बार कायोत्सर्ग का प्रयोग किया। सुरक्षा-कवच अथवा बुलेट्रॉफ पैकेट पहनने वाले को गोली लगने का भय नहीं रहता।

राम मंदिर: जन्मभूमि पर भव्य जन्मोत्सव का आयोजन

श्री जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य प्रगति पर है। यहाँ भूमि पूजन के साथ ही पांच सौ वर्ष पुराना सपना साकार होने लगा था। लेकिन यहाँ जन्मोत्सव के आयोजन हेतु करीब दो वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। कोरोना संकट के कारण यहाँ सार्वजनिक आयोजन संभव नहीं हुआ। अंततः यह सपना भी पूरा हुआ। इसबार जन्मभूमि पर भव्य जन्मोत्सव का आयोजन किया गया- कुछ वर्ष पहले तक जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कार्य में अनेक बाधाएं दिखाई दे रही थी। लेकिन सभी बाधाओं का निवारण हो गया। सामाजिक सौहार्द के साथ श्री रामलला जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन सम्पन्न हुआ था। अयोध्या में श्रीराम जन्मस्थान के प्रति करोड़ों हिंदुओं की आस्था रही है। इसके अलावा यहाँ मंदिर होने के पुरातात्त्विक प्रमाण भी उपलब्ध थे। स्कन्दपुराण, वाल्मीकि रामायण, वशिष्ठ संहिता, रामचरित मानस जैसे सैकड़ों ग्रंथों में श्रीराम जन्मभूमि का उल्लेख है। भारतीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षणों का भी यही निष्कर्ष रहा है। विवादित ढांचे की

बाबर नाये प्रियानाथ नाये में वर्षा
चिन्ह था। निर्माण हिन्दू कला के
अनुरूप शुंगकाल से प्रारंभ हुआ
था। सिविल इंजीनियरिंग के
हेसाब से भी पुराने ढांचे पर
मस्तिष्क का निर्माण हुआ था। यह
गोलाकार हिन्दू धार्मिक स्थल था।
इसकी रचना श्रावस्ती के चेरीनाथ
शेष मंदिर की तरह है। चन्द्रेश-
रीवा का शिवमन्दिर, कुरारी
फतेहपुर का शिवमन्दिर, तिंडुलि
सूर्य मंदिर की रचना भी जम्मूभूमि
मंदिर की तरह थी। पुरातत्व प्रमाण
ऐसे हैं कि राजपूत काल तक मंदिर
सुरक्षित था। इसके आसपास
रेहायशी बस्ती नहीं थी। स्थापत्य
के हिन्दू चिन्ह उपलब्ध रहे हैं,
जेनमें घट पल्लव, स्तम्भ, पुष्प,
गरुण स्तंभ, देवी-देवताओं के
चेत्र, नागरी लिपि के शिलालेख,
ब्रीस लाइन का विष्णु हरि
शेलालेख है। बताया जाता है कि
1528 में बाबर के सेनापति
मीरबाकी ने मंदिर का विध्वंस
करके मस्तिष्क का निर्माण कराया
था। महर्षि वाल्मीकि ने भी
रामकथा पर भावपूर्ण रचना की है।
रामायण के माध्यम से उन्होंने यह
कथा जन-जन तक पहुंचाई थी।
जहां प्रभु अवतार लेते हैं, वह
स्थल स्वतः तीर्थ बन जाता है।

त्रा तु ते जपाना इसा रूप से प्रतिष्ठित रही। मुगलकाल में यह मंदिर का विध्वंस हुआ। पांच सौ वर्षों तक जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण की प्रतीक्षा व प्रयास होते रहे। सदियों बाद श्रीराम जन्मस्थान पर जन्मोत्सव का आयोजन हुआ दूरदर्शन पर इसका सजीव प्रसारण किया गया। पहले यह प्रसारण कनक भवन से हुआ करता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्मोत्सव को भव्य रूप में मनाने का निर्णय लिया। यहां की तैयारियों को देखने वह स्वर्व अयोध्या यात्रा पर आए थे। समारोह के सजीव प्रसारण का आग्रह भी उनका था जिससे अयोध्या में रामनवमी पर राम जन्मोत्सव का देश-विदेश में रहने वाले रामभक्त घर बैठे अवलोकन कर सकें। पहली बार दूरदर्शन, एनआई और आकाशवाणी पर राम जन्मभूमि परिसर से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। करीब दो वर्ष पूर्व श्रीराम लला को टेंट से बाहर लाकर मानस मंदिर प्रांगण में फ़ाइवर के मंदिर में विराजमान किया था। उसके बाद रामनवमी के त्योहार को भव्यता से मनाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री परवानी की शपथ लेने के बाद योर्ग

जादेवाय न जायना य
रामलला के दर्शन की अपन
परम्परा का निर्वाह किया था।
पिछली बार मुख्यमंत्री बने वे
बाद जब वह अयोध्या आये थे
तब श्री रामजन्मभूमि प
यथास्थिति थी। योगी ने अपन
योजना के अनुरूप वहाँ पर्यट
विकास संबन्धी कार्य शुरू क
दिए थे। फिर वह समय भी आय
जिसकी पांच सदियों से प्रतीक्षा थी।
मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजा
हुआ। इस बार योगी जब अयोध्या
पहुंचे तो स्थिति अलग रही
अयोध्या में योगी आदित्यनाथ
अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय
चैत्र रामनवमी मेले की तैयारी वे
संबंध में समीक्षा की थी। उन्होंने
कहा था कि इस आयोजन का
तैयारी इस प्रकार से की जाए वि
मेला पूरी भव्यता और दिव्यता वे
साथ आयोजित हो और अयोध्या
को विश्व मानचित्र पर लाने में
सहायक बने। रामनवमी के बा
भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धाल
पूरे भारत से आएंगे। इसके दृष्टिग
अयोध्या में ऐसी व्यवस्था सुजित
की गई जिससे लोगों को प्रवेश
करते ही उन्हें पूरा वातावरण
रामस्य लगे।

आयुर्वेदिक तरीका रोगी को चंगा करने के लिए सबसे अच्छा तरीका

आर.के. सिन्हा

कांग्रेस के नेता जयराम रमेश अधिकारी मनु सिंघवी मैदान आए। जयराम रमेश ने ज्ञान हिन्दी राजभाषा है न कि राष्ट्रभूत तरह से वे और उनके मित्र मनु सिंघवी हिन्दी के खिलाफ देते हुए महात्मा गांधी, सरदार भगत सिंह और नेताजी सुभाष का अपमान करने लगे। देश का महान शख्सियतें गैर हिन्दी पर भी हिन्दी के प्रसार-प्रचार सक्रिय रहीं। ये सभी हिन्दी को जानते थे। क्या कांग्रेस के नेताओं को इतना भी नहीं पता सिंह तो हिन्दी के ही पत्रकार थे से संबंध रखने वाले भगत मातृभाषा हिन्दी नहीं थी। इसके वे कानपुर में गणेश शंकर विकानपुर से छपने वाले अखबार

और
उत्तर
या कि
। एक
भिषेक
वक्रव्य
पटेल,
द्वारा बोस
में सभी
होने
लिए
ताकत
इन
भगत
पंजाब
ह की
वरजुद्द
र्थी कै
ताप में

प्रसिद्ध क्रांतिकारी शर्चीं
की सलाह पर भगत सिंह
से मिले। वे प्रताप में बड़े
नाम से लिखते थे, जैसे
नौजवानों के बीच खास
भगत सिंह पंजाबी पत्रिका
लिए भी रिपोर्टिंग और
थे। देखिए सविधान में
विचार कर हिन्दी की रूपांतरण
क्योंकि इसकी सर्वत्र राष्ट्र
में मान्यता आज के 75
जब अनुच्छेद 343 में
लिखी हिन्दी को सर्वसमाज
मिली तो वह राष्ट्रभाषा
गई। बाद में चलकर कोई
सरकारी भाषा और कोई
भाषा कहने लगा। सभी
दिनांक 13.10.1949
महत्वपूर्ण सदैश हिन्दी

रमेश यह याद रखे करोड़ों लोगों की हिन्दी प्रेम और सैंस के सबको जोड़ती है अनादर करना बंवं को लेकर नकारात्मक तो वे हिन्दी भाषिये उम्मीद के मुताबिक जानकारी के बारे हिन्दी का राजनीतिगत गया है। पर यह नियम है। दक्षिणी राज्यों विरोध रत्तीभर भी तमिलनाडु के मुख्य आज जो कह रहे हिन्दी को गैर-विद्युत थोपने की कांशिश कुछ तो नहीं बोले। एचसीएल टेक्नोलॉजी

के हिन्दी भारत के ग और आत्मा है। ये दं की भाषा है। ये इसका बार-बार लगते हैं। वे जब हिन्दी लिपि में टिप्पणी करते हैं तो निराश करते हैं। अमित शाह को तमिलनाडु में भी विरोध शुरू हो ध जमीन पर नहीं अब हिन्दी का रहा। त्री एम.के.स्टालिन कि केन्द्र सरकार भाषी राज्यों पर नह रही है, वे तब ये जब तमिलभाषी विस के खरबपति

अभिव्यक्ति

अंधविश्वास पर आज भी लोगों को भरोसा

भी

अंधविश्वास पर जब भा बात हाता ह ता
लगता है कि पढ़े-लिखे जमाने में और कब
तक....! वहीं, यह फॉख भी है कि 21 वीं सदी
के जेट युग में हम, अपने अंतरिक्ष यान को
मंगल की कक्षा में पहले ही प्रयास में स्थापित
करने में 25 सितंबर 2014 को सफल हुए। यह
अंधविश्वास नहीं था। दूसरी ओर ठीक सालभर
बाद 2 सितंबर 2015 को अमेरिका जैसे
विकसित देश की बायुसेना में एक भारतीय
महिला डेवरा शोनफेल्ड मैरिलैंड जो भारतीय
संगीत सुनती और योग करती। उनकी एक
सहकर्मी को लगता कि जादू-टोना भी करती हैं।
बस इसीलिए डेन्टल टेक्नीशियन डेवरा बर्खास्त
कर दी गई। 21 सितंबर 2015 की ही एक
घटना जिसने खूब सुर्खियां बटोरी। हुआ यह कि
नेपाल सीमा से सट कपिलवस्तु की महिलाएँ
एक टोटका करने कोतवाली पहुंचीं। थाना
प्रभारी को खूब नहलाया और बारिश की प्रार्थना
की। मान्यता और भावनाओं का सम्मान करते
थानेदार रणविजय सिंह भी चुपचाप जमीन पर
बैठे और महिलाएँ पानी उड़ेलती रहीं। बारिश न
होने से सूख रही धान को बचाने हेतु इन्द्रदेव को
खुश करने खातिर इलाके के राजा को पानी में
दुबोने का पुराना टोटका पूरा करना था। राजा-
रजवाड़े रह नहीं सो थानेदार को ही राजा मान
टोटका किया। यूँ तो हर रोज अंध विश्वास की
कोई न कोई घटना या कहानी किसी न किसी

म सम्मन हात ह। चद दिन पहले 20 मार्च 2022 को राजस्थान के राजसमंदं के खमनोर एक घटना जिसमें सात साल के बच्चे को साल पहले आंख में फूंसी हुई तो घरवाले रीब की दवा दुकान से दवा लेकर इलाज रते रहे। लेकिन जब दर्द और मर्ज बढ़ा तो य-मंत्र करने वाले भोपे के पास ले गए। वहाँ बच्चे की तकलीफ कम होने की बजाय इतनी थी कि उसकी आंख तीन इंच बाहर आ गई। अधिकार में अस्पताल गए तो पता चला कि कैंसर और आंख निकालनी पड़ेगी। 4 सितंबर 2021 राजस्थान के ही चित्तौड़गढ़ में तंत्र-मंत्र चक्कर में 30 साल की सुनीता की जान, उका सगी छोटी बहन ने ले ली। वो मायके इर्थी थी। वहाँ तबीयत क्या बिगड़ी परिवार वालों मान लिया कि जादू-टोने का असर है। परिवार 3-20 घंटे तक कमरा बंद करके मंत्र-तंत्र रता रहा। दो कमरों में बन्द 25 लोगों को रोसा था कि छोटी बहन जिस पर एक रिश्तेदार आत्मा आती है, सब ठीक करेगी। घण्टों बछ-चिल्लाहट और मारपीट की आवाज से र फड़ोसियों ने आखिर पुलिस बुलाई। बरदस्ती दरवाजा खुलवाया। बीमार की तो त हो चुकी थी लेकिन तंत्र-मंत्र जारी था। त्रिक बनी लड़की पुलिस को भी धमकाती थी। उप्र के ललितपुर थाना कोतवाली के दरवार गाँव की 27 अप्रैल 2018 की घटना। 2 और 20 वर्षीय पति-पत्नी ताराचंद और ज्यात कुशवाहा न शाद का दूसरा सालारह की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सुबह जब दर तक दोनों नहीं उठे तो खिड़की से झाँकने पर दिखा कि दोनों एक ही रसी से फांसी पर लटके थे। ससुर दामोदर ने पुलिस को बताया कि ज्योति पर छह माह से भूत-प्रेत का साया था। कई आज्ञा-गुनी से इडवाया कुछ काम न आया, जिससे दोनों परेशान थे। मृतकों का एक ही कागज पर मिला सुसाइड नोट उनकी हताशा और परिवार के अंधविश्वासों को बयाँ कर रहा था। 31 जनवरी 2019 को मप्र के टीकमगढ़ जिले के खरागुपुर सरकारी अनुसूचित जनजाति सीनियर कन्या छात्रावास से अजीब घटना सामने आई। पठरे गाँव की दसवीं की एक छात्रा कई दिनों से अजीबोगरीब हरकतें कर रही थी। रात को सोते में पलांत तक गिर जाती। अधीक्षिका ने उसके पिता को सलाह दी कि बेटी प्रेतात्मा के साये से परेशान है इसलिए अच्छे तांत्रिक को दिखाओ। बताते हैं कि तांत्रिक ने भूत-प्रेत भगाने छात्रावास में ही मुर्गे की बलि देकर शराब चढ़ाई। 26 मार्च, 2013 को गंगागुर सिटी के रहने वाले फोटोग्राफर कंचन सिंह ने भगवान से मिलने की चाह में अपने परिवार के आठ सदस्यों के साथ राजी-खुशी से जानबूझकर सायनाइड मिला जहरीला लड्ढ खाया। जब लोग मरने लगे तो एक लड़की पड़ोसियों को बताने भागी और लड्ढ थूक दिया। दो और को तुरंत अस्पताल पहुँचाया।

त्रिवेदी जारी त्रिवेदी बहु प्रतिमाओं को प्री टर्म नष्ट करने

लेबानों को अमेरिका

'बुरे' दो अलग अलग श्रेणी के तालिबान व बताकर और अफगानिस्तान छोड़ने से पूर्व स्वयं तथाकथित 'अच्छे तालिबानों' से बातचीत करता रहा और अमेरिका ने अफगानिस्तान छोड़ते ही अफगानिस्तान की

कर सके तो वे कई ट्रकों में डाइनामाइट भर कर लाए और उन्हें उन मूर्तियों में ड्रिल कर भर दिया।" क्रूर कहर तालिबान इन मूर्तियों को नष्ट करने के लिए इतने तालिबान थे कि उड़ानें लगभग एक महीने तक उन्हें नष्ट करने की प्रक्रिया जारी रखी। तालिबानी क्रूरता व

कट्टरपथ का यह खबर उन दिनों पूरे विश्व में प्रसारित होती रही। और तलब है कि तालिबान के नेता मुल्ला उमर ने 26 फरवरी, 2001 को अफगानिस्तान में सभी मूर्तियों को गिराने का आदेश दिया था। काबुल के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी गई मूर्तियों को भी ध्वस्त कर दिया गया था। ये वही क्रूर तालिबानी थे 25 सितंबर, 1996 को पहली बार काबुल पर कब्ज़ा करने और अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज़ होने के दो दिनों के भीतर ही यानी 27 सितंबर को भारत के करीबी समझे जाने वाले अफगान नेता व राष्ट्रपति नज़ीबुल्लाह के सिर में गोली मार कर उनकी हत्या कर दी थी तथा उनके

श्रीलंका के राष्ट्रपति पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

कोलंबो, श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया गजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे सरकार विरोधी प्रशंसनों के तहत 10,000 से अधिक लोग 'गाले फेस ग्रीन' पार्ट में इकड़े हुए और उन्होंने रातभर प्रदर्शन किया। श्रीलंका क्विंटन से 1948 में आजादी हासिल करने के बाद सबसे खराब अंतर्कांत संकट से गुजर रहा है। देशवासी बड़े घंटों की बिजली कटौती, गैस, खाद्य पदार्थों और अन्य अवश्यक सर्वसुअंगों की कमी के विरोध में कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रशंसनकारियों के एक वर्ग ने रात भर प्रदर्शन किया वे राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग करते हुए 'धर जाओ गोटा' जैसे नारे लगा रहे थे।

एक प्रशंसनकारी ने कहा, 'यह मजाक नहीं है। प्रदर्शन इसलिए कि हमारे पास जलजली, ईंधन और दवाइयां नहीं हैं।' एक अन्य प्रशंसनकारी ने कहा, 'उर्वे जाना चाहिए, उनके पास कोई रास्ता नहीं है।' गौरतलब है कि संकट के समाधान और आर्थिक वृद्धिधन के लिए राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों लोग कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, राजनीतिक रूप से शक्तिशाली अपने परिवार के सार्वजनिक आक्रोश का केंद्र बनने के बावजूद सत्ता पर आर्थिक वृद्धिधन के लिए राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों लोग कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, राजनीतिक रूप से शक्तिशाली अपने परिवार के सार्वजनिक आक्रोश का केंद्र बनने के बावजूद सत्ता पर आर्थिक वृद्धिधन के लिए राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों लोग कई हफ्तों से प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने किम के नेतृत्व की 10वीं वर्षगांठ पर नया प्रदर्शनी हाँल खोला



सोल, उत्तर कोरिया ने अपने नेता किम जोंग-उन के सत्ता में आने की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर योग्यताग के एक प्रमुख संग्रहालय में एक नया प्रदर्शनी हाँल खोला है।

आधिकारिक कोरियाई केंद्रीय समाचार एजेंसी (केसीएनए) ने कहा, कोरियाई क्रान्ति संग्रहालय में उत्तर कोरिया ने मई 2016 में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के एक जिम्मेदार परमाणु हथियार राज्य का उन्होंने के संकल्प के बाद से किम की प्रमुख अमर नेतृत्व की उपलब्धियों की तस्वीर और वीडियो प्रस्तुति किए।

समाचार एजेंसी योग्यता की रिपोर्ट के मुताबिक, सम्मेलन के दौरान किम ने कहा कि उत्तर कोरिया तब तक प्रमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेगा जब तक कि उसकी संप्रभुता खतरे में नहीं आ जाती। संग्रहालय ने नवंबर 2017 में किम द्वारा लिखे गए एक पत्र को यह घोषित करने के लिए भी प्रदर्शित किया देश में एक नई अंतरमहाईपीय वैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने के बाद राज्य परमाणु बल का विकास पूरा कर लिया है।

केसीएनए ने बताया कि उत्तर कोरिया ने किम के नेतृत्व की स्पृति में पिछले दिन एक राशीय बैठक की, जिसमें उन्होंने देश को आमरक्षा के सभी शक्तिशाली भौतिक साधनों से लैस एक पूर्ण सैन्य शक्ति के बारे में बात की।

जॉर्डन के राजा तत्काल सर्जी के लिए जर्मनी रवाना

अम्मान, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय थोरेस्क हनियेटेर डिस्क के इलाज के लिए एक तत्काल सर्जी करने के लिए जर्मनी के लिए रवाना हो गए हैं। ये जानकारी रॉयल हैंसमाइट कोर्ट ने दी।

इस बीच, क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय ने कैबिनेट सदस्यों की उपस्थिति में रीजेंट के रूप में शपथ ली।

समाचार एजेंसी सिन्हाझा की रिपोर्ट के अनुसार, शाही अदालत ने शनिवार को खुलासा किया कि जर्मनी के लैटावन से लौटे लगभग एक सप्ताह के लिए आराम की जरूरत होगी। अदालत ने कहा कि राजा को गोंदी की हड्डी में दर्द की शिकायत थी, लेकिन हाल ही में हर्मिन्येशन के कारण तत्कालिक पर दबाव बढ़ गया, जिसके लिए चिकित्सा सलाह के आधार पर तत्काल सर्जी की जरूरत है।

केसीएनए ने बताया कि उत्तर कोरिया ने किम के नेतृत्व की स्पृति में पिछले दिन एक राशीय बैठक की, जिसमें उन्होंने देश को आमरक्षा के सभी शक्तिशाली भौतिक साधनों से लैस एक पूर्ण सैन्य शक्ति के बारे में बात की।

हमारे खिलाफ और बड़े मिसाइल व हवाई हमले कर सकता है इस, हम जवाब देने के लिए तैयार : जेलेंस्की

कीव, युक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी दी है कि रूस हमारे राज्य के पूर्व में और भी बड़े अपरेशन कर सकता है, उन्होंने नागरिकों से मौजूदा युद्ध के बीच नहीं दौर के हमले को तैयारी करने का आग्रह किया। यीडियो संबोधन करने के लिए राष्ट्रपति ने कहा कि रूस विवाद देखते हुए अपने अपरेशन करने के बाद राज्य के अंतर्गत राज्य की ओर विवाद कर सकते हैं, लेकिन जवाब देने के लिए तैयार हैं।

युक्रेन के सशस्त्र बलों के अखंड भारत संदेश स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक 211019 से प्रकाशित स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्यंग समिति द्वारा विपिन इन्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान द्वारा देखते हुए तैयार किया गया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है। उधर इमरान की अपील जारी की है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रधानमंत्री चुनने की प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वास की ओर से पाकिस्तान खान की पार्टी के सांसद अब इस्तीफा नहीं देंगे। यही नहीं इमरान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन कराया है।

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में अविश्वास प्रस्ताव से द्वारा नेता के बाद रविवार को नया प्रध